THE VICE-CHAIRMAN (MISS SAROJ KHAPARDE); DR. B. B. Dutta-abcent. Shri Murli Manohar Toshi.

डा० मुरली मनोहर जोशी (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदया, मैं श्री कृष्ण लाल शर्मा जी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने एक बहुत महत्वपूर्ण विषय पर यह विधेयक सदन के सामने विचारार्थ रखा है। कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि हमारा देश बेहोशी में है और जब कभी ऐसे विधेयक आते हैं तब मैं यह मानता हूं कि देश को बेहोशी में... (व्यवधान)

ANNOUNCEMENT REGARDING WELCOME TO PARLIAMENTARY DELEGATION FROM EGYPT

THE VICE-CHAIRMAN (KUMARI SAROJ KHAPARDE): Hon. Mem. burs, I have an anouncement to make. Wo have with us, seated in the Special Box, Members of the Parliamentary Delegation from Egypt, currently on a visit to our country, under the distinguished leadership of His Excellency, Dr. Ahmed Fathi Sorour, Speaker of the People's Assembly of Egypt. I, on my own behalf and on behaf of the Members of the House take pies sura in extending a hearty welcome to the leader and other Mcmbers of the Delegation and wish that our distinguished guests will have an enjoyable and fruitfull stay in the country. We hope that during their stay here, they would be able to see and learn more about our Parliamentary system, our country and our people and their visit to this country will further strengthen the friendly band that exists between India and Egypt. Through them, we convey our greetings and best wishes to the Members of the People's Assembly and the friendly people of Egypt. Thank you.

THE PREVENTION OF INFLUX OF FOREIGN NATIONALS IN THE COUNTRY BILL* 1991 -contd.

डा० मुरली मनोहर जोशी : मैं यह निवेदन कर रहा था कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है और श्री कृष्ण लाल शर्मा जी बधाई के पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने बहुत उचित समय पर इस विधेयक के द्वारा सरकार का और देश का ध्यान आकृष्ट करने की चेष्टा की है और देश को बेहोशी से जगाने की चेष्टा की है। पिछले दिनों इस देश में जिस तरह से घुसपैठ बढ़ी है, इनफिल्ट्रेशन बढ़ा है उससे सारे देश को चिंता हो रही है। बंगला देश से जो घुसपैठ हुई है उसका अनुमान बहुत आसानी से लगाया जा सकता है कि वह कितनी ज्यादा संख्या में हुई है। देशों की जनगणना की तुलना में बंगला देश और भारत की 1991 की जनगणना की तुलना से इसका अंदाज लग सकता है। बंगला देश की 1991 में अनुमानित जनसंख्या 10 करोड़ 48 लाख और वार्षिक वृद्धि दर 2.02 प्रतिशत थी, जबकि 1981 में यह दर 3.13 प्रतिशत रही थी। बंगला देश की सरकार ने पहले 1991 की जनसंख्या का अनुमान लगभग 11 करोड़ 40 लाख लगाया था, यू०एन०डी०पी० का अनुमान 11 करोड़ 60 लाख 1990 में था और 11 करोड़ 60 लाख 1991 में था। और 11 करोड़ 80 लाख 1991 में था। इस प्रकार बंगला देश की सरकार के अनुमान से लगभग 90 लाख जनसंख्या 1991 में कम रही, जबकि यू०एन० डी०पी० के अनुमान से लगभग एक करोड़ कम रही। सवाल उठता है कि यह एक करोड़ लोग कहां चले गए? बंगाल की खाड़ी में, बर्मा में, अराकान में या हिन्दुस्तान में। मैं सिद्ध करना चाहूंगा कि यह एक करोड़ लोग बंगला देश से हिन्दुस्तान आए। जनगणना के अन्य आंकड़ों से यह भी प्रतीत होगा कि 70 लाख कम से कम और एक करोड़ 20 लाख के लगभग इन 10 वर्षों में 1981 से 1991 तक बंगला देश के लोग यहां आए। त्रिपुरा से हमारे मित्र यहां बैठे हुए हैं। उनको मालूम